Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य और पद्य की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया । उसने जब बीन बजाई, तब साँप सम्मुख आकर फन खोलकर खड़ा हो गया । वह फन हिला-हिलाकर उस बीन की मीठी पुकार पर अपने को दे डालने की इच्छा करता हुआ, मानो पकड़े जाने की प्रतीक्षा में मुग्ध होता रहा ।

सँपेरा बहुत खुश था । उसने ऐसा सुंदर, ऐसा बड़ा, ऐसा बलिष्ठ और इतना तेजस्वी साँप कभी नहीं देखा था ।

बीन की बैन में उसे लुभाकर धीरे -धीरे सँपेरे ने साँप को पकड़कर अपने वश में कर लिया । तब उसने साँप के जहर के दाँत भी खींच निकाले ।

साँप ने अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा दिए । लेकिन, वेदना में एक बार वह मूर्छित हो गया ।

उसी मूर्च्छित अवस्था में साँप को अपनी पिटारी में रखकर सँपेरा नगर को लौट पड़ा ।

साँप की मूर्छा जब टूटी तब उसने देखा कि उसका वन कहीं नहीं है । वहाँ तो अँधेरा ही चारों ओर से घिरकर बंद होता आया है । उसने सरक-सरककर देखा कि चारों ओर उसके रूकावट है और खेलने के लिए कहीं भी निकलने का मार्ग नहीं है ।

पहले तो उसने इधर -उधर फन मारे, जैसे विष निकलने के साथ-साथ उसमें से तेज भी निकल गया था । उसने कहा, ''हे भगवान ! यह क्या है ?'' तुम्हारा दिया हुआ विष मैंने स्वीकार न करके तुमसे प्रार्थना की कि तुम उसे मुझमें से लौटा लो, सो क्या उसी का यह दंड मुझे मिला है कि विष के साथ मेरी सामर्थ्य भी मुझमें से खींची जाए ? हे भगवान ? यह क्या है ?''

2) i) **निम्न शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त शब्द लिखिए ।** **1**

(1) सामने → ☐

(2) बेहोशी → ☐

ii) **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।** **1**

(1) साँप को रखने की टोकरी ।

(2) एक वाद्य यंत्र जिससे साँप को वश में किया जाता है।

3) 'बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछताए' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। **2**

प्र.1. (ख) सूचना के अनुसार निम्नलिखित कृतियाँ परिच्छेद के आधार पर पूर्ण कीजिए । **(6)**

1) i) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए।** **1**

(1) वाराणसी के राजा का नाम -

(2) कोसल के राजा का नाम -

ii) **उचित पर्याय ढूँढ़कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(1) **राजा ब्रह्मदत्त घूमता-घूमता** .....

(क) घर पहुँच गया।

(ख) जनपद की सीमा पर पहुँच गया।

(ग) ट्रेन में पहुँच गया।

(2) **राजा मल्लिक को भी अभी तक कोई सच्चा** .....

(क) आलोचक नहीं मिला था ।

(ख) साथी नहीं मिला था ।

(ग) साधु नहीं मिला था ।

वह मंत्रियों को राज्य सौंप, भेष बदल, सारथी को साथ ले, रथ पर चढ़ पर्यटन के लिए निकल पड़ा । घूमता - घूमता वह जनपद की सीमा पर पहुँच गया, पर कहीं ऐसे आदमी का पता न चला जो उसके अवगुणों की ओर संकेत कर सके ।

संयोगवश उस समय कोसल के राजा मल्लिक भी अपने आलोचकों की खोज में भ्रमण कर रहे थे । उन्हें भी अभी तक कोई सच्चा आलोचक नहीं मिला था ।

इधर से वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त का रथ जा रहा था, उधर से कोसल के राजा मल्लिक का रथ आ रहा था । रास्ता इतना तंग था कि दोनों रथ एक साथ नहीं निकल सकते थे । रथ पीछे कौन हटाए ?

मल्लिक राजा के सारथी ने ब्रह्मदत्त के सारथी को ललकारकर कहा, ''सारथी ! अपना रथ लौटाओ, मेरे रथ में कोसल के राजा मल्लिक सवार हैं ।''

ब्रह्मदत्त के सारथी ने गर्जना के साथ उत्तर दिया, ''सारथी ! मेरे रथ में वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त सवार हैं, अतएव मैं रथ पीछे नहीं हटा सकता, रथ तुम्हें पीछे हटाना पड़ेगा ।''

राजा ब्रह्मदत्त ने सोचा हम लोग दोनों राजा हैं, अतएव रथ कौन पीछे हटाए ?

तत्क्षण उसे विचार आया कि जो दोनों में उम्र में छोटा हो, वह अपना रथ वापस लौटाए । लेकिन मालूम हुआ कि उम्र में दोनों समान हैं । इसके बाद दोनों के राज्यविस्तार, सेना, धन, यश, जाति, गोत्र, कुल आदि के विषय में पूछा गया लेकिन इन सबमें भी दोनों समान निकले ।

2) i) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) सँकरा → ☐

(2) जिला → ☐

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) प्रशंसक → ☐

(2) झूठा → ☐

3) **'आदर्श राजा' के बारे में 6 से 8 वाक्य लिखिए ।** **2**

विभाग 2 - पद्य **10 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) समझाने पर भी मूर्ख मन यह नहीं मानता -

(2) इस पद्यांश का विषय है-

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

झूठी देखी प्रीत

जगत में झूठी देखी प्रीत ।
अपने ही सुखसों सब लागे, क्या दारा क्या मीत ।।
मेरो मेरो सभी कहत हैं, हित सों बाध्यौ चीत ।
अंतकाल संगी नहिं कोऊ, यह अचरज की रीत ।।
मन मूरख अजहूँ नहिं समुझत, सिख दें हारयों नीत ।
नानक भवजल पार परै जो गावै प्रभु के गीत ।।

2) पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए । **1**

i) हित →

ii) संगी →

3) 'सच्चा प्रेम' इस विषय पर 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) उत्तर लिखिए। **2**

i) नदी यहाँ शीतल जल भरती है -
ii) नदी यहाँ से उछलती है -
iii) नदी इनको तोड़ती उछालती है -
iv) पद्यखंड से मिलनेवाली सीख -

झीलों से निकलती,
जलप्रपातों से गिरती,
झरनों से झरती,
पर्वतों से उछलती,
बड़े - बड़े पत्थरों को
तोड़ती, उछालती,

ऊँचाई से कूदती,
पर्वतों के शिखरों के
उच्च कंगूरों से बनी
घाटियों के गहरे कटोरों में
शीतल निर्मल जल भरती ।

2) सही शब्द तैयार कीजिए। **1**

i) | तों | पा | ल | ज | प्र | = | |

ii) | रों | गू | कं | = | |

3) 'दिनो-दिन कम होती वर्षा' पर 6 से 8 वाक्यों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 3 - व्याकरण **6 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए । **1**

i) क्रिमपावडर, क्रीमपावडर, क्रिमपाउडर

ii) कूतुबमीनार, कुतूबमीनार, कुतुबमीनार

2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

अचानक -

3) i) काल पहचानिए । **1**

मैं बहुत बीमार पड़ा ।

ii) काल परिवर्तन कीजिए । **1**

कुष्ठरोगी स्वास्थ्यलाभ कर रहे हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)

4) i) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए । **1**
(खून खौलना , मिट जाना, नौ-दो ग्यारह होना)

अपने देश की दीन जनता पर होने वाले अत्याचार से झाँसी की रानी **तिलमिला उठती** थी ।

ii) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

टूट पड़ना -

विभाग 4 - रचना **12 अंक**

प्र.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :- **4**

सागर / सीता शर्मा, १०५ / जवाहर चौक, मुंबई से जवाहर विद्यालय, गोरेगाँव को लिपिक (क्लर्क) के पद के लिए प्रार्थना पत्र लिखता/लिखती है ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए :- **4**

1. My intention is to help the poor.
2. His intention is to deceive everybody.
3. You had better take care of your health.
4. Unless they work hard, they can't pass.

3) निम्नलिखित गद्य परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक एक वाक्य में हों । **4**

विधाता ने हमें दशेंद्रिय दिए हैं । यह मानव को ईश्वर की बड़ी देन है । हमें ईश्वर ने दो आँखें, दो कान, दो हाथ, दो पैर और एक मुँह दिया है। इन इंद्रियों से ही मनुष्य सामर्थ्यशाली बना है । विधाता का हमें दो आँखें देने का मतलब यही है कि शत्रु और मित्र को देखने की हमारी दृष्टि समान हो । दो कान इसलिए दिए हैं कि एक कान से अच्छाई सुनें और दूसरे कान से बुराई छोड़ दें । दो हाथ इसलिए दिए हैं कि वह एक हाथ से ले और दूसरे हाथ से बाँटता रहे । दो पैर इसलिए दिए हैं कि हम कदम - कदम मिलाते हुए देश की ताकत बढ़ाएँ । विधाता ने हमें एक ही मुँह दिया है, इसका कारण क्या है ? इसलिए कि वह एकवचनी हो, देने के लिए वचनबद्ध हो।

Best Of Luck